हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 22 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

भाजपा कार्यालय में मनाया गया 12 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मण्डला। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यालय में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के तहत आयोजित योग कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा जिला योग कार्यक्रम प्रभारी जयदत्त झा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माँ भारती, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात, पतंजलि योग समिति के योग शिक्षक वरुण सिहारे, प्रमोद दुबे, पांडेय के मार्गदर्शन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। शिविर में प्राणायाम अनुलोम-विलोम, कपालभाति और विभिन्न आसनों का अभ्यास करते हुए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग हमारी प्राचीन ऋषि परंपरा की अनमोल देन है, जिसे आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है। हम सभी को अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय योग के लिए अवश्य निकालना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी राजनीति के साथ-साथ सामाजिक और स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहती है। वही सफल आयोजन के लिए नगर अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत ने सभी कार्यकर्ताओं और पतंजलि योग समिति के योग शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

माँ नर्मदा के माहिष्मती घाट पर हुआ जिला स्तरीय योग दिवस आयोजन

कलेक्टर ने किया मयूरासन और शीर्षासन

*** हजारों लोगों ने किया योग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को माँ नर्मदा के पावन तट माहिष्मती घाट में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं तथा अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

इस अवसर पर उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों से वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि आज विश्व के 175 से भी अधिक देशों में योग को अपनाया जा रहा है और पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति एवं जीवन दर्शन की इस अनुपम देन का लाभ उठा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व योग के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की जो परंपरा विकसित की थी, वही आज विश्व कल्याण का आधार बन रही है।

मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य का सबसे प्रभावी माध्यम है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करना चाहिए, जिससे स्वयं के साथ-साथ परिवार और समाज भी स्वस्थ एवं सशक्त बन सके।

कार्यक्रम में आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रियंका धुर्वे एवं योग प्रशिक्षकों द्वारा उपस्थितजनों को सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वज्रासन सहित विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इस दौरान पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के योग दिवस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन सभी ने सुना।

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने शीर्षासन एवं मयूरासन का प्रभावशाली प्रदर्शन कर उपस्थित नागरिकों को योग के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शीर्षासन और मयूरासन जैसे कठिन आसन यह संदेश देते हैं कि नियमित अभ्यास, धैर्य और दृढ़ संकल्प से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। योग हमें शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण के बीच किए गए इन कठिन योगासनों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया तथा योग के प्रति उत्साह का संचार किया।

कलेक्टर श्री धोटे ने नागरिकों से आह्वान किया कि योग को केवल एक दिवस के आयोजन तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग स्वस्थ, संतुलित और सुखद जीवन का सबसे सरल एवं प्रभावी माध्यम है।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती, सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे, जिला आयुष अधिकारी डॉ. गायत्री अहाके, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, एसडीओपी श्री पीयूष मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी- कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, मीडियाकर्मी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

योग दिवस पर कलेक्टर बने मानवता के प्रेरक

*** रक्तदान कर दिया सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मां नर्मदा के पावन तट माहिष्मती घाट में स्वास्थ्य एवं जनकल्याण को समर्पित एक विशेष पहल के तहत विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने शिविर का विधिवत शुभारंभ करते हुए इसे मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती, सिविल सर्जन डॉ. सीएस धुर्वे, जिला चिकित्सालय के चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, ब्लड बैंक का स्टाफ, डॉक्टर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंडला जिले में स्वास्थ्य, सेवा और मानवीय संवेदनाओं का प्रेरक संगम देखने को मिला, जब कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक पहुंचकर स्वेच्छा से रक्तदान किया। उन्होंने रक्तदान के माध्यम से न केवल जरूरतमंद मरीजों के प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त की, बल्कि जिलेवासियों को मानव सेवा के इस महत्त्वपूर्ण कार्य में सहभागी बनने का संदेश भी दिया।

रक्तदान उपरांत कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति नियमित अंतराल पर रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकता है। रक्त की आवश्यकता किसी भी समय किसी भी व्यक्ति को पड़ सकती है, इसलिए प्रत्येक सक्षम नागरिक को इस पुनीत कार्य के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि योग जहां शरीर और मन को स्वस्थ एवं संतुलित बनाता है, वहीं रक्तदान मानवता और सेवा की भावना को सशक्त करता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रक्तदान कर उन्होंने स्वास्थ्य, करुणा और सामाजिक सरोकारों को एक साथ जोड़ने का संदेश दिया।

इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर माहिष्मती घाट में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शाश्वत सिंह मीना ने रक्तदान कर मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक संदेश दिया।

सरपंच पत्नी, पति एवं पंच पर राशि गबन करने का आरोप

*** सचिव से गाली गलौज एवं मारपीट करने की धमकी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जनपद पंचायत मंडला की ग्राम पंचायत औघटखपरी के ग्रामीणों को अपनी सरपंच व उपसरपंच से विकास की बड़ी उम्मीद थी क्योंकि यहां श्रीमती दीपिका राउत को सरपंच एवं उनके पति सुदीप राउत को उपसरपंच निर्विरोध बनाया गया है। किंतु ये दोनों पति-पत्नी एवं पंच लेखराम ठाकुर पर विभिन्न निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार करने के आरोप यहां के सचिव सुरेंद्र पटेल द्वारा लगाए गए हैं। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को प्रेषित शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि नल जल की टैक्स वसूली राशि का गबन किया गया है। रसीद बुक एवं रजिस्टर कार्यालय में जमा नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण नल चालकों का भुगतान नहीं हो पा रहा है। साथ ही लाखों का बिजली बिल भुगतान अन्य मद से किया गया है।और निर्विरोध निर्वाचन की प्राप्त प्रोत्साहन राशि से पोषक ग्राम मुर्रमखाप एवं आदिवासी कॉलोनी में बनाये गये रंगमंच वर्षों से अधूरे हैं, और राशि का आहरण कर लिया गया है। इसी तरह नल जल योजना के मरम्मत कार्य एवं अन्य निर्माण कार्यों को मनमाने बगैर तकनीकी स्वीकृति के करा लिए गए हैं। और सचिव पर भुगतान करने का दबाव बनाया जा रहा है। शिकायत पत्र पर सचिव द्वारा आरोप लगाया गया है कि उनके साथ गाली गलौज एवं मारपीट करने की धमकी दी जा रही है। जिसकी शिकायत पुलिस चौकी हिरदेनगर में भी की गई है। भुगतान को लेकर अभिषेक लक्ष्मी साहू बस स्टैंड द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत भी की गई है, जबकि सचिव का कहना है कि उनके द्वारा शिकायतकर्ता से किसी भी प्रकार की सामग्री क्रय नहीं की गई है। ये सब नियम विरुद्ध भुगतान कराने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। यहां पर आदिवासी कॉलोनी एवं औघटखपरी में तरेंद्र के घर से कमलिया के घर तक बनाई गई पक्की नाली निर्माण भी सवालों के घेरे में है। जिम्मेदारों के बीच इस तरह की तनातनी एवं भ्रष्ट नियत की वजह से ग्राम विकास ठप्प पड़ा है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से इस और ध्यान देने का आग्रह किया है।

विडम्बना | **अधूरी मरम्मत से तिरपाल तले खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर छात्र।**

लापरवाही की भेंट चढ़ी शिक्षा व्यवस्था

*** ग्रामवासियों ने दी आंदोलन की चेतावनी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शिक्षा विभाग की उदासीनता और लापरवाही का खामियाजा एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्र के मासूम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। विकासखंड मण्डला की ग्राम पंचायत सिलपुरा के पोषक ग्राम बुजबुजिया में लगभग 12 वर्षों से जर्जर पड़े प्राथमिक विद्यालय भवन की मरम्मत शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद बंद हो गई है, जिससे बच्चों और अभिभावकों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से नया विद्यालय भवन नहीं बन पाया और अब जब मरम्मत कार्य के लिए राशि स्वीकृत हुई तो संबंधित एजेंसी और विभाग की अनदेखी के कारण काम बीच में ही छोड़ दिया गया। हालत यह है कि विद्यालय भवन का कुछ हिस्सा तोड़कर छोड़ दिया गया है, जबकि शेष कार्य ठप पड़ा हुआ है। इससे बच्चों को सुरक्षित भवन मिलने की उम्मीद भी अधूरी रह गई है।

सबसे गंभीर बात यह है कि भीषण गर्मी के बीच छात्र-छात्राएं आज भी तिरपाल और अस्थायी व्यवस्थाओं में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। अभिभावकों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी केवल बैठकों और कागजी दावों तक सीमित हैं, जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। अधिकारियों द्वारा जून अंत तक कार्य पूर्ण कर 1 जुलाई से विद्यालय संचालन शुरू कराने का दावा किया गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति देखकर यह दावा खोखला साबित होता नजर आ रहा है।

ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि यदि भवन की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है तो कार्य अचानक क्यों बंद कर दिया गया? आखिर किसकी जिम्मेदारी तय होगी? बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पर विभाग की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि गर्मी या असुरक्षित परिस्थितियों के कारण किसी बच्चे के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है अथवा कोई दुर्घटना होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों की होगी। उन्होंने तत्काल जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई तथा मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही अब केवल प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि बच्चों के शिक्षा के अधिकार और सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ बन चुकी है।

इनका कहना है -

बुजबुजिया प्राथमिक विद्यालय भवन पिछले 12-14 वर्षों से जर्जर अवस्था में है। बच्चों को सुरक्षित भवन उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा अधिकारियों, कलेक्टर, विधायक एवं सांसद तक कई बार आवेदन और निवेदन किए गए, लेकिन आज तक स्थायी समाधान नहीं हो सका। वर्तमान में बच्चे भीषण गर्मी और प्रतिकूल मौसम में तिरपाल के नीचे अध्ययन करने को मजबूर हैं। यदि बच्चों की सुरक्षा के साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

-नरेश मार्को,
सरपंच, ग्राम पंचायत सिलपुरा,
जिला मण्डला

खबर संक्षेप

शहर के वीरान इलाकों से लेकर ढ़ाबों में देर रात तक खुलेआम जाम छलकते हुये पड़ रहे दिखाई

गाडरवारा। जहां पूर्व के समय में लोग शराब पीने के लिए ऐसी जगह खोजते थें जहां पर किसी की नजर न पड़े मगर इस समय तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि लोगों द्वारा जहां तहां बैठकर शराब का सेवन करते हुए नशे की हालत में सड़कों पर घूमते हुए आसानी से देख जा राकता है? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो वर्तमान में अनुमानतः शहर के 60 प्रतिशत युवाओं और किशोरो में शराब पीने का शौक ऐसा लगा है कि वे रात को बिना जाम छलकाये रह ही नही पा रहे है, जिसके चलते वे शहर में एक भी वीयरवार न होने और अधिकांश शहर में बने हुये ढावों में शराब के जाम छलकाने के लिए उपयुक्त जगहों पर जाना पड़ता है पड़ता है और खुलेआम नगर के पास पास बने हुये ढ़ावों में देर रात तक शराब खोरी होते हुये दिखाई दे रही है? बताया जाता है कि इन दिनों शराब के शौकिनों द्वारा नगर के वायपास मार्ग पर स्थित ढाबों में जहां खुलेआम शराब की विक्री होने के साथ साथ यहां पर देर रात तक शराब पीने वालों की महफिले सजी हुई देखी जा रही है? इतना नही नही हालत यह बन चुकी है कि शहर से चंद कदम दूरी पर संचालित होने वाले इन ढाबो में अवैध रूप से बिकने वाली शराब व देर रात के होने वाली शराब खोरी के चलते जहां क्षेत्र के गांवों के लोगों का शहर आना मुश्किल होते हुये जान पड़ रहा है तो दूसरी ओर रात के समय ट्रेनों से उतरकर अपने गांव जाने वाले लोग भी अपने आपको असुरक्षित महसूस करने से नही चूक रहे है? क्षेत्रवासियों द्वारा पुलिस प्रशासन के अधिकारियों द्वारा शहर के आसपास संचालित होने वाले ढाबो पर चलने वाले शराब के अवैध कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाने की माग की जा रही है।

दिन के समय शहर मे भारी वाहनों की धमाचौकड़ी दे रही बडे खतरें की ओर संकेत...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। महॅगी कारों मे घूमने प्राशनिक अधिकारी लाख दावा करें कि शहर की यातायात व्यवस्था मे पूर्वापेक्षा सुधार हो रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि यहॉ की यातायात व्यवस्था अराजक है, जिसे पटरी पर लाने की पहले की गयी कवायद बेअसर साबित हुई है? शहर मे वाहनों की अधिकता के बावजूद जनसुरक्षा की जवाबदारी निभाने वाला विभाग अनियंत्रित गति से दिन रात धमाचौकडी करने वाली उन भारी भरकम ट्रकों पर ध्यान नही दे रहा है जो सारेआम सड़कों पर मौत का सायरन बजाकर असुरक्षा का माहौल निर्मित कर शहरवासियों को चिन्ता मे डाल रहे है। शहर की मुख्य सडकों पर धडल्लें से दौड़ रहे भारी भरकम ट्रक चालकों की हिमाकत के सामने लगता है कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने का ढोल पीटने वाले बौने साबित हो रहे है, जिसका परिणाम है कि शहर मे आवागमन जोखिम भर होता जा रहा है? समूचें शहर मे ट्रकों का कोलाहल, तेज ध्वनियॉ गूॅजने से शहरवासियों के सब्र का बांध टूट रहा है और भारी भरकम ट्रकों का नो एंट्री टाइम निश्चित होने के बाद भी उनका नगर में प्रवेश करना पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सबाल खडे कर रहा है? ज्ञात हो कि कुछ वर्ष पहले नगर में रही तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी सुश्री रंजना पाटने द्वारा नगरवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुये सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर निषेध करते हुये स्थाई नो एन्ट्री लागू करने का आदेश पारित करते हुये उसे सुचारू कर दिया गया था जिसके चलते नगर के प्रवेश द्वारा पर नो एन्ट्री संबंधी वोर्ड भी लगे हुये है। वही लोगों का कहना है कि जब जब नगर में भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर नो एन्ट्री लागू करते हुए नगर में प्रवेश करने वाले स्थलों पर वोर्ड स्थापित करते हुए समय निश्चित कर दिया गया है, मगर इसके बाद भी नगर धडल्ले से भारी वाहनों का प्रवेश होना पुलिस प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण है?मगर प्रशासन द्वारा नगर में लागू की गई नो एन्ट्री की ओर ध्यान ही नही दिया जा रहा है।

फादर्स डे पर घरों में देखने को मिला खुशियों के रंग, बच्चों द्वारा अपने पिता के सपनों को साकार करने के लिए समर्पित रहने का लिया संकल्प

भारतीय संस्कृति में बच्चों को जन्म देकर उनका स्नेह से पालन पोषण करने वाली माँ का जितना महत्व बताया गया है। उसी तरह किसी बच्चें को संस्कार वान बनाते हुये उन्हें आत्म निर्भर करने के साथ समाज व देश की सेवा करने के लिए सक्षम बनाने में उसके पिता की भूमिका को भी महत्वपूर्ण माना गया है। क्योंकि किसी बच्चे की जिन्दगी को संभालने में उसके माता पिता का ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है।

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इसलिये कहा जाता है कि हर बच्चा अपने पिता के नक्से कदमों पर चल रहा है। क्योंकि जो गुण कभी पिता में रहते है वही गुण हर बच्चें में देखने मिलते है और यही कारण है कि खून का रिस्ता कभी झूठा नही होता है। मगर अनेक युवा इस भौतिक बादी युग की चपेट में आ जाने के कारण न तो माता पिता द्वारा दिये जा रहे संस्कारों का ध्यान रख रहे है और ना ही उन्हें वह सम्मान दे पा रहे है जिसके वह वास्तविक रूप से हकदार होते है। यदि किसी युवा जो इस दुनिया में आने के बाद सफलताएं हासिल करता है तो उसके पीछे पिता के संस्कार ही छीपे होते है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो हर किशोर तथा युवा व व्यक्ति को इस दुनियां में लाने वाला पिता ही होता है। यदि पिता नही होता तो वह व्यक्ति इस दुनिया में ही नही होता जो अपने पिता को भुलाकर हर सफलता को अपनी ही उपलब्धि समझने की भूल करने से नही चूक रहा है? यदि व्यक्ति की जिन्दगी की सच्चाई पर गौर किया जावे तो किसी भी व्यक्ति के लिये सबसे बड़ा भगवान उसके माता पिता ही होते है। इसी के चलते कल 21 जून को फादर्स डे पर शहर के घरों में सुखियों के रंग बिखरे हुये नजर आये। वही फादर्स डे के मौके पर बच्चों, युवाओं ने उन्हें संरक्षण देने वाले तथा ससत आशीष देकर उनका हौसला बढ़ाने वाले अपने बेटों की जिन्दगी संभालने के लिये अपना सब कुछ दाव पर लगा देने वाले किशोरों से लेकर युवा अपने पिताओं से जुड़ी यादों में डूबते हुए उनके चरण स्पर्श कर अपने पिता का आर्शीवाद प्राप्त करने के साथ साथ उनके सपनों को साकार बनाने का संकल्प लेने से नही चूके। अनेक युवाओं ने अपने घरों में माता पिता के चरण धोते हुये उनका सदा ही आदर करने का निर्णय लेने के साथ जिन्दगी भर उनकी सेवा करने का भी भरोसा देने से नही चूकेगे। इस प्रकार से कल फादर्स डे (पिता दिवस)पर आमजनों ने उनका जीवन संवारने वाले अपने पिताओं से जुडे संस्मरण दोहराते हुए अपने बच्चों को प्रेरित किया कि वे अपने माँ बाप के संघर्ष, त्याग और स्वयं सुख, सुविधाओं का त्याग कर परिवारजनों को खुशहाल बनाने में जुटे माँ बाप को जिन्दगी में कभी न भूले और उनके नक्शे क दम पर चलने का प्रयास करते हुए अपने पिता को नाम रोशन करे। हरिभूमि टीम ने फादर्स डे को लेकर आमजन से चर्चा की गई तो शहर के अनेक युवाओं की प्रतिक्रिया में अधिकतर किशोर व नौजबनों का कहना था कि जीवन के संग्राम में उतरने से पहले उनके पिता जो सुविधाएं, संबल, मार्ग दर्शन के साथ इस दुनिया दारी की समझ देते है उसके जरिये उनको जीवन में आगे बढ़ने की नई राहे मिल जाती है। क्योंकि दुनिया में किसी बच्चें को सही राह दिखाने वाला सदा उसका पिता ही होता है, जो हर परेशानियों को झेलते हुए बच्चें के भविष्य का उज्जबल बनाने में कोई कसर नही छोड़ता है। इस संबंध में नगर के आयुष भार्गव का कहना है कि आमतौर पर हर बच्चें व युवा पिता मशक्कत से अपनी गृहस्थी की गाड़ी खीचते है। मगर इसके बाद भी बच्चों को अपनी हैसियत से भी बढ़कर सुविधाएं देने से नही चूकते है। बच्चों के प्रति उनकी मात्र एक चाहत होती है कि उनके बच्चे खूब पढ़ लिखकर शालीन, सभ्य नागरिक बने। मेरे मत से फादर्स डे पर बच्चों व युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपने पिता जी को खुश रखते हुए उनके सपनो को साकार करने में हर क्षण का उपयोग करे। इसी प्रकार से नगर दिव्यांश पुरी गोस्वामी का कहना है कि माँ का प्यार अनमोल और पिता की छत्रछाया पुत्र के लिये जीवन भर यादगार होती है। क्योंकि हर पिता अनेक कठिनाईयों झेलते हुये पुत्र को खुद से भी आगे बढ़ते हुये देखने की उम्मीद रखता है। जिस तरह पिताजी द्वारा हम भाई बहिनों की परवरिश करते हुये सत्य के मार्ग पर चलने का संस्कार दिया गया है उस ऋण को उतारवाना संभव नही हो सकता है.., बस जरूरी यह है कि में सदा उनका अदर सेवा करता रहू। वही इंटरनेशनल फादर्स डे पर स्वाभविक है कि युवाओं के पिता उनसे बड़ी उम्मीदे रहती है। इस लिहाज से आवश्यक है कि सभी युवा अपने पिता की भावनाओं का सम्मान कर उन्हें उपहार के रूप में सपनों को साकार करने समर्पित होते हुए संकल्प ले। इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम बारहाबड़ा निवासी यश सोनी का कहना है कि पिता निश्छलता, प्यार की प्रति मूर्ति होने के साथ साथ अपने दायित्वों के प्रति सचेत रहते है। क्योंकि माँ तो केवल अपने बच्चों की देख भाल करने तक सीमित रहती है पर पिता पर बच्चों की जिंदगी संभारने की जबाबदारी होती है कोई भी पिता बाहरी दुनियां से लेस होता है। इसलिए मेरा मानना है कि बिना हठधर्मि किये बच्चों को अपने पिताश्री की सीख मानते हुए सफलता के मुकाम पर कदम आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि सदा ही पिता अपने बच्चों को आगे बढ़ते हुये देखना चाहता है। इसलिये मेरे किशोर साथियों को फादर्स डे पर यही संदेश है कि कभी माता पिता का दिल नही दुखाना चाहिये। वही नगर इंद्रा वार्ड निवासी बासुदेव कौरव का कहना है कि कोई भी पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए मुस्कारते हुए चिंतित रहता है जब बच्चें या युवा परीक्षाओं में अच्छे अंक लाते है और खेलो में बेहतर प्रदर्शन करता है या जीवन में आगे बढ़ता है तो वह पिता ही है जिसका सीना खुशी से फूल जाता है, जिसकी आंखों में खुशियो के सितारे दमकने लगते है। फादर्स डे पर युवाओं को चाहिए कि वे अपने पिताओं को आश्वस्त करे कि वे मेहनत से अपना कैरियर बनाकर देश, प्रदेश के विकास में सहभागी बनेगे। इस प्रकार से फादर्स डे के अवसर पर जब हरिभूमि ने नगर के अलग अलग युवाओं से चर्चा की गई तो उनके द्वारा फादर्स की भूमिका को जिन्दगी संभालने में अहिम स्थान दिया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती, अटल ज्योति योजना पर खड़े हो रही सवाल?

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा।

जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को 24 घंटे बिजली उलब्ध कराने हेतु बड़ी ही जोर शोर से अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था। मगर इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन लगातार कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग परेशन होते हुए देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार की अटल ज्योति योजना पर लोगों द्वारा सबाल खड़े करते हुए इसे अटक ज्योति योजना का नाम दिये जाने लगा है? इस संबंध में बताया जाता है कि चीचली नगर सहित सिंहपुर, आंडेगांव, गोटीटोरिया, पुंआरिया सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां आम लोग परेशान हो रहे है वही दूसरी ओर इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान लोगों की नींद हराम होती चली जा रही है। वही लोगों का कहना है कि यदि आने वाले और भीषण गर्मी के दिनों में यदि बिजली कटौती का यही आलम बना रहा तो लोगों का जीना मुश्किल हो जावेगा? जानकरी के अनुसार दिन और रात में की जा रही बिजली कटौती के कारण बच्चों बुर्जुगों के साथ महिलाओं की नीद उड़ गई है। इस संबंध में जब विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय एवं पावर हाउस में में बिजली कटौती को लेकर संपर्क किया जाता है तो वहा से एक ही जबाब मिलता है कि लाईन गाडरवारा से बिजली बंद होने के कारण हम कुछ नही बता सकते है या फिर कह दिया जाता है कि मेंनेटेन्स चल रहा है इस लिए बिजली बंद है? इस प्रकार से सुधार कार्य के नाम पर आये दिन कई घंटों तक बिजली बंद की जा रही है जिसके चलते जहां ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति तो प्रभावित होते हुए देखा जाता है, वही किसान भी अपने खेतों में लगाई गई गन्ना सहित अन्य फसलों में पानी देने के लिए परेशान होते हुए देखे जा रहे है?

अपने स्वार्थो को पूर्ण करने के लिये पेड़ों में किया जा रहा बदहाल

गाडरवारा। शहर की सड़कों के किनारे और व्यस्ततम माने जाने वाले इलाको में विभिन्न संस्थाओं ने पूर्व वर्षो में जो वृक्ष लगवाये थे वे भले छाया देने की स्थिति में आ गए है, किन्तु प्रशासन की अनदेखी से इन वृक्षो को प्रचार प्रसार का माध्यम बनाने का सिलसिला चल रहा है। बताया जाता है कि शहर की सड़कों के किनारे सीना तान खड़े वृक्षो पर कीलें ठोंकरकर बड़े पोस्टर, बैनर, प्लेक्स लगाकर वृक्षो को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। हरेभरे वृक्षो का उपयोग विज्ञापन वोर्डो के रूप में करने का विरोध करते हए शहरवासियो का कहना है कि भारतीय संस्कृति में वृक्षो को देवता माना गया है, वृक्ष सजीव होते है, उन पर कीलें, ठोंकना, व्यापारिक स्वार्थ के लिए उनका उपयोग करना उचित नहीं है। वृक्षों पर पोस्टर, बैनर लगाने से शहर का सौंदर्यीकरण जहां प्रभावित होता है, वही बारिश के दिनों में आँधी, पानी से भी वृक्षो में लगे बड़े बड़े पोस्टर, बैनर दुर्घटनाओं का सबब भी बन सकतें है तथा स्कूली बच्चो के लिए भी ये खतरनाक साबित हों सकतें है? शहरवासियो ने नपा. से गुहार लगायी है कि जनहित में नगर के वृक्षो में लगे बैनर, पोस्टर हटवाये जाए, साथ ही मनचाहे ढंग से कही भी होर्डिंग्ज लगाने पर प्रतिबंध लगाया जाए।

प्रशासन की अनदेखी दे सकती है बारिश के दौरान बड़ी घटना को अंजाम

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शासन प्रशासन हर वर्ष वृक्षारोपण अभियान के नाम पर लाखों रूपए पानी की तरह बहाया जाता है। वही कुछ संस्थाएँ ऐसी भी है जो शहर मे विशिष्ट राजनीतिक हस्तियों की आगमन की खबर से हरकत मे आकर प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण प्रयास करती है। लेकिन हकीकत है कि पूर्व मे शहर मे लगाये गए वृक्षों की हिफाजत करने मे कोताही बरती गयी है, जिसका परिणाम है कि हाल के वर्षो मे लगायें गए बहुत सें वृक्ष सूख गए है तथा हरियाली को लेकर शासन की मंशा पूरी होते हुए कही दिखाई नही दे रही है? विडम्बना की बात है कि यहॉ का लोक निर्माण विभाग, वन विभाग अपनी जमीन पर वर्षो से सीना तानकर खड़े पुराने वृक्षों की सुरक्षा कों कोई पहल नही कर रहा है। सूत्रों की माने तो पहले शासन की जमीन पर सड़कों के दोनों किनारें लगे जो वृक्ष आधी, बारिश मे धराशायी हो गए थें उनकी कई माहों तक कोई सुध नही ली गयी और उनकी लकड़ी तक गायब हो गयी। कुद इसी प्रकार का हाल लोक निर्माण की भूमि पर लगे हुए बृक्षों को जान पड़ रहा है जानकारी के अनुसार अनेक जगहों पर लोक

निर्माण की उसकी जमीनों पर लगे पुरानें पेड़ों को चिन्हित करनें मे बरती गयी लापरवाही के कारण हुई है। गौरतलब है वर्तमान मे भी पी.डब्लू.डी. की जमीन पर बड़ी संख्या मे आम, इमली, सागौन के पुराने वृक्षों का आस्तित्व है, जाहिर है इनमे से कुछ ऐसे वृक्ष भी है जो उम्र दराज होने के साथ साथ हर बरसात मे उनके अचानक गिरने की आशंका बनी रहती है इसलिए सम्बंधित विभाग की जबावदारी है कि ऐसे पुराने वृक्षों के कटवाने की व्यवस्था करें ताकि ये किसी दुर्घटना का सबब नही बने, वृक्षों को चिन्हित न करने के बारे मे यह सच्चाई भी सामने आयी है कि उक्त पुराने दरखतों के तनों पर नियमानुसार हेमर लगानें की व्यवस्था नही की गयी है, जिसका नतीजा है कि लोगों द्वारा इन पर कुल्हाड़ियॉ चलाने मे कोई संकोच नही किया जाता, ऐसा भी मिसालें पहले मिल चुकी है कि शासन की जमीन पर लगें अनेक पुरानें वृक्ष बेरहमी से काट डाले गए। आमजन अकारण उनकी सुख देने वाली छाया से वंचित रह गए। लेकिन आश्चर्यजनक बात है कि इसके बाद भी प्रशासन का अमला सचेत नही हुआ और पुराने वृक्ष असुरक्षित होते चले जा रहे है, इस तारतम्य मे जरूरी कहा जा रहा है कि नपा.की भूमि पर मुख्य मार्गो के किनारे जो सर्वाधिक पुराने पेड़ अविकसित स्थिति मे हैं उनके कटवाने की व्यवस्था कर उनके स्थान पर नए वृक्ष लगवाना चाहिए। लोक निर्माण विभाग से अपेक्षित है कि फिलहाल उसकी जमीन पर जों पुरानें पेड़ खड़े है उनमें हेमर लगवाकर उनकी सुरक्षा का प्रबंध करना चाहिए।

गरीबों की सूची में नाम शामिल कराते हुये अपात्र ले रहे शासन की योजनाओं का लाभ, निष्ठा के साथ जांच हुई तो बेनकाब हो सकते हैं अनेक अधिकारी

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

शासन की योजनाओं में मनमानी करना अधिकारियो का आदत में बनता जा रहा है, क्योंकि सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनका भला करने की सोच रखी हुई है, मगर उन योजनाओं का लाभ गरीबों को मिलने की जगह इस प्रकार के लोगों को उठाते हुए देखा जा रहा है जो पूर्ण रूप से साधन संपन्न है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में जिस तरह से गरीबी रेखा व अति गरीबी रेखा सूची में लापरवाही की गई है, उससे पात्र लोगों के नाम तो नही जुड़े है, किन्तु अपात्रों के नाम अवश्य जोड़ दिये गये है जिनके पास अपने खेतों में नलकूप सहित ट्रेक्टरों से लेकर सभी प्रकार के साधन उपलब्ध है। इस प्रकार से गौर किया जावे तो गरीबों को मिलने वाले हक का उपयोग अपात्र व प्रभावशाली लोग आसानी से उठाते हुए देखे जा रहे है, जबकि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं के बाद भी गरीब रोजी रोटी की तलाश में भटकने के लिए मजबूर हो रहे है। आम जन द्वारा गरीबी रेखा, अति गरीबी रेखा सूची से अपात्र लोगों के नाम काटने की बात कही जा रही है, जबकि सूची का पुनरीक्षण किए जाने पर पात्र लोगों के नाम जोड़ने की भी मांग की है, यदि यहां की इस सूची की बारिकी से जांच की जावे तो कई एकड़ के कास्तकारो के साथ जिनकी पक्की बिल्डिग बनी है। मगर उन लोगों को इस सूची में शामिल करना अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा है, जिसके लिये शासन के आदेशों को ताक पर रखकर ऐसा किया जा रहा है,जबकि ये लोग शासकीय वेतन का भी उपयोग करते है। फिर यही लोग सूची में भी अपना नाम जुड़वा लेतें है। ऐसे कृत्यों की जांच किए जाने की जरूरत है। जबकि पात्र लोगों के नाम प्रकाश में आने पर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। शासन की योजनाओं में पलीता लगाया जाना आम हो चुका है, जिससे गरीबों का हक अमीरों के लिए वरदान बना हुआ है, क्षेत्र वासियों का कहना है कि एक ओर सरकार तो खुलीमंचों से गरीबों को लाभ देने की बात कह रही है। मगर उन गरीबों को उनकी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पात्र बनने ही नही दे रही है। यदि यहां की सूचियों की जांच की जावे तो गरीबों रेखा में ऐसे लोग पाये जा सकते है जो सत्ताधारी पार्टी के पदाधिकारी है और जिनके खेतों की सिंचाई करने के लिए कई नलकूप पानी निकाल रह है। क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में यदि इस बात की जांच की जाए तो ऐसे कई मामले प्रकाश में आयेगें जो लोग अमीरी की दहलीज पर खड़े है वह भी गरीबों के हक को छीनने में लगे हुए है?मजेदार बात यह है कि आज तक प्रशासन यहां के गरीबी रेखा की सूची के पुनरीक्षण कराये जाने की ओर कोई कदम नही उठाया गया, जिसमें गरीबों का हक अमीरों के पास जा रहा है और गरीब भूखों मरने के लिए विवश है। शासन की योजनाओं का क्षेत्र के कई गरीबों को लाभ नही मिल पा रहा है।

अनेक मूलभूत सुविधाओं से वंचित सालीचौकावासी हो रहे परेशान, छोटी छोटी जरूरतों के लिए दौड़ना पड़ता है गाडरवारा

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। कहने के लिए तो सालीचौका को ग्राम पंचायत से बढ़कर नगर परिषद का दर्ज मिल चुका है, मगर यदि सालीचौका की सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज भी यहां के निवासी अनेक प्रकार की मूलभूत समस्याओं से जूझते हुए देखे जा रहे है क्योंकि उन्हें छोटी छोटी जरूरतों के लिए गाडरवारा शहर या फिर अन्य शहरों के लिए जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यदि व्यापारिक दृष्टि पर गौर किया जावे तो सालीचौका क्षेत्र को धान का कटोरा कहा जाता है इस क्षेत्र में सबसे अधिक धान पैदा की जाती है। वही दूसरी ओर इसी के चलते क्षेत्र में बड़ी बडी दो राईस मिले संचालित होने के साथ साथ बड़ी बड़ी दो शुगर मिल है। वही कृषि मंडी होने के साथ साथ यहां पर हायर सेकेण्डरी द्वारा का शासकीय स्कूल व स्वास्थ्य केन्द्र भी स्थापित है, जिसके चलते देश के प्रधानमंत्री द्वारा डिजीटल इंडिया बनाने की मुहिम के चलते आम लोगों का हर प्रकार का लेनदेन बैकों के माध्यम से किया जा रहा है, इस स्थिति में सालीचौका में पर्याप्त बैकों की स्थापना नही होने के कारण जहां लोगों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है। बैक के नाम पर मात्र एक बैक होने के कारण लोग परेशान होने के लिए मजबूर हो रहे है जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो आम लोगों के अनेक प्रकार के कार्य व लेनदेन राष्ट्रीयकृत बैकों के माध्यम से होते है, इस प्रकार से सालीचौका में राष्ट्रीयकृत बैक नही होने की स्थिति में जहां लोगों को दूसरे शहर जाने के लिए परेशान होते हुए देखा जाता है। वही स्कूली छात्र छात्राओं को भी बैक संबंधी स्कूलों में जब दस्तावेज मांगे जाते है तो उसमें राष्ट्रीयकृत बैक के होना जरूरी होने के कारण उन्हें अन्य दूसरी जगहों पर अपने खाते खुलवाना पड़ रहे है? वही जब सभी प्रकार के लेनदेन बैकों के माध्यम किये जाने को लेकर देश प्रधानमंत्री द्वारा लेनदेन को भी केशलेस बनाया जा रहा है तो फिर यहां पर मात्र एक ही एटीएम होने के कारण लोगों को अपने खातों से राशि निकालने में भी अनेक परेशानियों का सामना करते हुए देखा जाता है, इस स्थिति में गौर किया जावे तो जहां डिजीटल इंडिया के सपने को ग्रहण लगते हुए देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर आम लोगों को परेशानियों का भी सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस प्रकार से सालीचौका क्षेत्र की जनता अनेक प्रकार की मूलभूत सुविधाओं से बंचित रहने की स्थिति में क्षेत्र के नेताओं को हरिभूमि के माध्यम से लगातार अवगत कराया जा रहा है।

भौरझिर में यात्री प्रतिक्षालय की मांग

खुलरी।

एक ओर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व पंचायतों द्वारा अनेक निर्माण कार्य कराने का ढ़िडोरा पीटा जाता है, ओर अनेक ग्रामों में देखा जाता है कि पंचायतों व जनप्रतिनियों द्वारा लाखों रूपया खर्च कर ऐसे निर्माण कार्य करा दिया जाते है जिनका कोई उपयोग ही नही होता है? और जहां जिसकी मांग व जरूरत होती है वहां वह निर्माण कार्य नही हो पाने से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की स्थिति जनपद पंचायत चावरपाठा के अंतर्गत ग्राम भौरझिर में देखने को मिल रही है, जहां क्षेत्रवासियों ने हरिभूमि को जानकारी देते हुये बताया है कि ग्राम भौरझिर बाजार मुहल्ला में के प्रमुख चौराहे पर यात्री प्रतीक्षालय न होने के कारण यात्रियों को यहां वहां चाय पान की दुकानों पर भटकना पड़ता है,जिसमें सबसे ज्यादा परेशानी का सामना महिला यात्रियों को उठाना पड़ता है, साथ ही साथ मनचले युवकों की छीटा कशी का भी शिकार होकर महिला यात्रियों को अपमान का कड़वा जहर के समान अपमान का घूंट पीने के लिए मजबूर होती है, लोगों का कहना है कि शासन द्वारा बाजार में यात्री प्रतिक्षालय की मांग लम्बे समय से की जा रही है मगर इस ओर आज तक किसी भी ध्यान नही दिया जा रहा है।

भारी ट्रक व डंपर से नगरवासियों की जिन्दगी खतरे में?

गाडरवारा। नगर की मुख्य सड़क आमगांव नाका से स्टेशन तक भारी वाहनों के दवाव के चलते लाखों रूपया की लागत से वायपास रोड का निर्माण किया गया है। वही दूसरी ओर नगरवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर नो एन्ट्री भी लागू की गई है? मगर इसके बाद यदि भारी वाहन नगर के वार्डो में ही प्रवेश करने लगे तो नगरवासियों की जिन्दगी कहा तक सुरक्षित रह सकती है? इस बात की मिशाल इस समय नगर के अनेक वार्डो में दिखाई दे रही है। नगर के अनेक वार्डो में रेत गिट्टी सहित अन्य सामग्री लेकर खुलेआम में भारी भरकम डम्फरों व ट्रको की आवाजाही जाई से जहां नगरपालिका द्वारा आमजन की सुविधा के लिए बनाई गई सड़के टूट रही है। वही दूसरी ओर यहां के लोगों की जिन्दगी पूर्णरूप से खतरे में दिखाई पड़ रही है।

खबर संक्षेप

लापता नाबालिग बालिका दस्तयाब

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक गुमशुदा नाबालिग बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना बिजुरी में फरियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री 12 मई की रात को बिना बताए कहीं चली गई है, जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने तत्काल अपराध क्र. 210/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। नाबालिग की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक के आदेश पर विशेष टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि पीड़िता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के कारण उक्त आरोपी के बहकावे में आकर उसके साथ गई थी। सायबर सेल की मदद से तकनीकी साक्ष्यों एवं मोबाइल टावर लोकेशन का गहन विश्लेषण कर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बेलखेड़ा, जबलपुर से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया।

हिंदी विषय में सर्वोच्च अंक एवं प्रथम श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला सम्मान, जिले का बढ़ाया गौरव

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों सम्मानित हुई डिण्डौरी की बेटी शिवानी साहू, दीक्षांत समारोह में जीते दो स्वर्ण पदक

डिण्डौरी।

डिण्डौरी जिले की प्रतिभाशाली छात्रा शिवानी साहू ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि से जिले का नाम गौरवान्वित किया है। शहपुरा जनपद पंचायत के ग्राम बरगांव निवासी एवं शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा की छात्रा शिवानी साहू को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के 36वें दीक्षांत समारोह में दो स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से प्राप्त हुआ।जबलपुर में आयोजित विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह में विभिन्न संकायों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कुल 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिनमें डिण्डौरी जिले की शिवानी साहू भी शामिल रहीं।शिवानी ने शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए हिंदी विषय में स्नातक स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त किए, जिसके लिए उन्हें पहला स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। वहीं हिंदी साहित्य में प्रथम श्रेणी के साथ सर्वोच्च अंक अर्जित करने पर उन्हें दूसरा स्वर्ण पदक मिला। एक ही समारोह में दो स्वर्ण पदक प्राप्त कर उन्होंने अपने महाविद्यालय, क्षेत्र और जिले का मान बढ़ाया है।

राष्ट्रपति के हाथों सम्मान प्राप्त करने के बाद शिवानी साहू और उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। उनके पिता बाबूलाल साहू एवं माता सावित्री देवी ने बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि शिवानी ने पूरे परिवार, गांव और जिले का सम्मान बढ़ाया है।शिवानी की इस सफलता से बरगांव, करौंदी और शहपुरा क्षेत्र में उत्साह का वातावरण है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं नागरिकों ने उन्हें बधाई देते हुए इस उपलब्धि को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक बताया है।ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बीच कठिन परिश्रम एवं लगन के बल पर हासिल की गई शिवानी साहू की यह सफलता उन छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो शिक्षा के माध्यम से अपने सपनों को साकार करना चाहती हैं। आदिवासी बहुल डिण्डौरी जिले की इस बेटी ने राष्ट्रीय मंच पर सम्मान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया है।

वन स्टॉप सेंटर सखी डिंडोरी में उत्साह पूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवन का दिया गया संदेश

डिंडोरी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वन स्टॉप सेंटर सखी, डिंडोरी में योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगौर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती सविता धार्वे ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए नियमित योगाभ्यास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार, प्राणायाम एवं ध्यान न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी उपस्थितजनों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आग्रह किया।

योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों को अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभाति तथा ध्यान का अभ्यास कराया गया। साथ ही तनावमुक्त जीवन, मानसिक संतुलन एवं स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर नियमित रूप से योग करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर की एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमती रितु खांडे, केस वर्कर श्रीमती स्मिता चौरसिया, सुरक्षा कर्मी बृजमोहन हनुमंत सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि योग व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का माध्यम है, जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ करता है।कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा।

डिंडोरी की अंजली यादव ने भौतिक विज्ञान में पीएचडी उपाधि प्राप्त कर बढ़ाया जिले का गौरव

डिंडोरी। जिले की प्रतिभाशाली शोधार्थी डॉ. अंजली यादव ने भौतिक विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर डिंडोरी जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उन्हें यह उपाधि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के 36वें दीक्षांत समारोह में प्रदान की गई। समारोह में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।डॉ. अंजली यादव ने अपना शोध कार्य डॉ. राजेंद्र कुमार कुररिया एवं डॉ. शशि आर. कुररिया के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। इससे पूर्व भी वे भौतिक विज्ञान विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुकी हैं।

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस की विजेता बन 6 दिवसीय श्रीलंका सांस्कृतिक यात्रा पर रवाना

भालूमाड़ा की बेटी आकृति मिश्रा ने बढ़ाया अनूपपुर का गौरव

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

जिले के भालूमाड़ा क्षेत्र की प्रतिभाशाली बेटी आकृति मिश्रा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। चौथे वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस जबलपुर के अंतर्गत आयोजित एमवाईआरए (मेकिंग युथ रामायण एमवेसटर) ऑनलाइन प्रतियोगिता में देशभर से शामिल प्रतिभागियों के मध्य उत्कृष्ट प्रदर्शन कर आकृति मिश्रा ने विजेताओं की सूची में स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के फलस्वरूप आकृति का चयन 17 से 22 जून तक आयोजित 6 दिवसीय श्रीलंका सांस्कृतिक एवं रामायण अध्ययन यात्रा के लिए किया गया। प्रतियोगिता के परिणामों में देशभर से केवल पांच प्रतिभागियों का चयन हुआ, जिनमें अनूपपुर जिले की आकृति मिश्रा भी शामिल रहीं। आकृति मिश्रा, भालूमाड़ा वार्ड क्रमांक 17 हालो ब्लॉक निवासी जानकी शरण मिश्रा एवं श्रीमती प्रतिमा मिश्रा की सुपुत्री हैं। उनके माता-पिता दोनों ही शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिष्ठित शिक्षक हैं। आकृति की प्रारंभिक शिक्षा जे.ई.एम. हायर सेकेंडरी स्कूल, जमुना कॉलरी में हुई। वे प्रारंभ से ही अध्ययन, संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के क्षेत्र में उत्कृष्ट रही हैं। वर्ष 2024 की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उन्होंने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया था। वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष यात्रा के दौरान युवा रामायण एम्बेसडरों का दल श्रीलंका में रामायण काल से जुड़े ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर रहा है।

एप्रोच मार्ग अधूरा, बारिश में बंद हो सकता है अमरपुर-डिंडौरी मार्ग

उच्च स्तरीय पुल का निर्माण पूरा, लेकिन संपर्क मार्ग नहीं बनने से बढ़ी लोगों की चिंता

अमरपुर।

विकासखंड मुख्यालय अमरपुर को जिला मुख्यालय डिंडौरी से सीधे जोड़ने वाले प्रमुख एवं कम दूरी के मार्ग पर आवागमन को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। खरमेर नदी पर निर्मित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, लेकिन पुल के एक ओर एप्रोच मार्ग (संपर्क मार्ग) का निर्माण अधूरा होने के कारण आगामी बारिश के मौसम में इस मार्ग के बंद होने की आशंका जताई जा रही है।पूर्व में इस मार्ग पर खरमेर नदी में बने स्टॉप डेम-कम पुलिया से आवागमन होता था, लेकिन बरसात के दौरान जलस्तर बढ़ने पर मार्ग बाधित हो जाता था। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग के बाद शासन द्वारा उच्च स्तरीय पुल एवं सड़क निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई थी। निर्धारित समय-सीमा के अनुसार पुल निर्माण कार्य अक्टूबर 2025 तक पूरा होना था, हालांकि निर्माण कार्य जून 2026 तक पूर्ण हो सका।

स्थानीय लोगों के अनुसार पुल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन एक तरफ का एप्रोच मार्ग अभी तक तैयार नहीं हो पाया है। ऐसे में तेज बारिश होने पर सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो सकता है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों का आवागमन प्रभावित होगा। हालांकि पुल के माध्यम से पैदल आवागमन संभव रहेगा।बताया जा रहा है कि पुल निर्माण के बाद पुराना स्टॉप डेम आवागमन के लिए अनुपयोगी हो गया है। वर्तमान स्थिति में वहां तक पहुंचने के लिए कृषि भूमि से होकर गुजरना पड़ेगा, जो बारिश के मौसम और खेतों में फसल बोए जाने के बाद व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होगा।क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि एप्रोच मार्ग का निर्माण समय पर पूरा नहीं हुआ तो अमरपुर और डिंडौरी के बीच आवागमन करने वाले हजारों लोगों को बारिश के पूरे मौसम में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग से शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कर मार्ग को आवागमन के लिए सुचारु रूप से शुरू कराने की मांग की है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिलेभर में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर आयोजित हुए कार्यक्रम

जनप्रतिनिधि खान एवं मिथिलेश झरिया के मार्गदर्शन में

डिंडोरी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जिलेभर में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी परिसर में आयोजित हुआ, वहीं शहपुरा सहित विभिन्न विकासखंडों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं शासकीय संस्थानों में भी योग दिवस मनाया गया। इस वर्ष योग दिवस की थीम **"स्वस्थ आयु के लिए योग"** (Yoga for Healthy Ageing) रही। जिला स्तरीय कार्यक्रम में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, जिला अध्यक्ष चमरू सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, सांसद प्रतिनिधि सुधीर दत्त तिवारी, महेश धूमकेती, आशीष वैश्य, कृष्णा परमार, स्कंद चौकसे, मोहन सिंह, परसराम नागेश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू व्यवहार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, जनपद अध्यक्ष डिंडोरी श्रीमती आशा सिंह सहित अनेक

एवं अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, वनमंडलाधिकारी अशोक सोलंकी, एसडीएम रामबाबू देवगन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंकज जैन, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र कुमार तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए।इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग दिवस संबोधन का लाइव प्रसारण भी देखा गया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार बताते हुए इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।योग प्रशिक्षक आरती बलिया, मोहम्मद अयूब प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने नियमित योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। वहीं कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने नागरिकों से निरोगी जीवन के लिए नियमित योग करने की अपील की।

शहपुरा में भी हुआ सामूहिक योगाभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रातः 6 बजे शहपुरा स्थित उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में भी सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ऐश्वर्य वर्मा, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों-कर्मचारियों तथा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। इस दौरान नियमित योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा समाज में स्वास्थ्य एवं कल्याण की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।कार्यक्रम के समापन पर आयुष अधिकारी सत्येंद्र व्यवहार ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उत्कृष्ट विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती देवती, श्रीमती लतिका डेनियल, पुरुषोत्तम कुशराम, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सतीश धुर्वे सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन पुरुषोत्तम राजपूत ने किया।योग दिवस के अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रशिक्षण केंद्रों, जनपद एवं ग्राम पंचायतों तथा विभिन्न शासकीय संस्थानों में भी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सामूहिक योगाभ्यास कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया।

स्कूल चलें हम अभियान के द्वितीय चरण की कार्यशाला बजाग में संपन्न

शत-प्रतिशत नामांकन, पोर्टल संबंधी समस्याओं के निराकरण एवं शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार पर दिया गया जोर

बजाग।

राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार एवं डिंडौरी कलेक्टर के मार्गदर्शन में 'स्कूल चलें हम अभियान' के द्वितीय चरण के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय बजाग में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शत-प्रतिशत छात्र नामांकन सुनिश्चित करना, पाठ्यपुस्तक वितरण, आधार एवं अपार आईडी निर्माण, यू-डाइस में प्रोग्रेशन अपडेट तथा विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों में आ रही तकनीकी समस्याओं का निराकरण करना था।कार्यशाला में जिला परियोजना समन्वयक दिवाकर तिवारी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक पोर्टलों पर आने वाली तकनीकी समस्याओं का ऑनलाइन एवं लाइव प्रदर्शन कर समाधान की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने उपस्थित प्राचार्यों, जनशिक्षकों एवं प्रधान पाठकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

जिला शिक्षा केन्द्र के प्रोग्रामर अनुराग पटेल ने शिक्षकों को एजुकेशन पोर्टल 3.0, वीईआर सर्वे, हमारे शिक्षक एप तथा यू-डाइस पोर्टल के संचालन एवं उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न ऑनलाइन प्रक्रियाओं को सरल एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के संबंध में भी मार्गदर्शन किया।कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला परियोजना समन्वयक दिवाकर तिवारी ने सभी संस्था प्रमुखों को शत-प्रतिशत छात्र नामांकन, समय पर पाठ्यपुस्तक वितरण एवं पात्र विद्यार्थियों को साइकिल वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए आवश्यक अकादमिक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।श्री तिवारी ने कहा कि बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए विद्यालय स्तर पर निरंतर प्रयास करते हुए शिक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाना आवश्यक है।कार्यशाला में विकासखंड के प्राचार्य, जनशिक्षक, प्रधान पाठक एवं शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, सोमवार 22 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिले की समस्त कृषि मंडी बंद रहेगी कल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मंडी शुल्क वृद्धि 1 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत करने के विरोध में सकल मध्य प्रदेश अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ समिति के आवाहन पर प्रदेश की समस्त मंडियां 23 जून को 1 दिन का व्यापार बंद रहेगा। जिला अनाज दलहन तिलहन एवं दाल उत्पादक व्यापारी संघ के उपाध्यक्ष सतीश नेमा, महामंत्री ताराचंद शाह ने बताया कि 11 जून 2026 सकल मध्य प्रदेश अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ समिति के अध्यक्ष गोपाल दास अग्रवाल ने मध्य मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से भेंट के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि आप अन्य प्रदेशो में लगने वाले मंडी शुल्क के आंकड़े सहित लावे जिससे निर्णय लेने में अच्छा होगा आपको दो-तीन दिन में बुलाकर चर्चा करके फिर निर्णय लेंगे इसी बीच कृषि विभाग एवं मंडी बोर्ड के अधिकारियों द्वारा आनन-फानन में गजट छपाई करा कर 16 जून से लागू कर दिया गया है। मंडी शुल्क वृद्धि का विरोध पूरे प्रदेश में होने लगा है इस बात को दृष्टिगत रखते हुए सकल मध्य प्रदेश अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ समिति सरकार से चर्चा करेगी समस्या का समाधान नहीं होने पर महासंघ ने निर्णय लिया है कि पूरे प्रदेश की मंडियां एवं जिले की समस्त मंडियां 23 जून को बंद रख विरोध प्रदर्शन किया जावेगा इसके बाद आगामी रणनीति तैयार की जावेगी।

एक माह की प्रस्तुति-परक अभिनय नाट्य कार्यशाला कल से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय (संस्कृति विभाग मप्र शासन ,राजा मान सिंग तोमर विश्वविद्यालय से संबंध) के सहयोग से प्रदेश की प्रतिनिधि संस्था रंगसरोकार नाट्य समिति, नरसिंहपुर द्वारा एक माह की प्रस्तुति-परक अभिनय नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला 23 जून 2026 से 18 जुलाई तक कॉलेज परिसर, नरसिंहपुर में आयोजित होगी।कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं एवं रंगकर्म में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को अभिनय और रंगमंच की व्यावहारिक बारीकियों से परिचित कराना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को स्वर एवं वाणी प्रशिक्षण, शारीरिक अभिव्यक्ति, भाव एवं संवाद-अभिनय, चरित्र निर्माण, रंगमंचीय उपस्थिति, ब्लॉकिंग, निर्देशन तथा प्रस्तुति कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार कार्यशाला पूरी तरह निःशुल्क होगी तथा स्थानीय प्रतिभागियों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यशाला में सीमित सीटें उपलब्ध हैं और इसमें 16 वर्ष या उससे अधिक आयु के इच्छुक प्रतिभागी आवेदन कर सकते हैं।

मृत बालक के पीड़ति परिवार ने आर्थिक सहायता राशि दिलाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। संजय वार्ड तलापार निवासी जानकी काछी ने कलेक्टर से अपने 15 वर्षीय पुत्र विनीत काछी की नदी में डूबने से हुई अप्राकृतिक मृत्यु पर शासन से आर्थिक सहायता राशि दिलाने की गुहार लगाई है। आवेदिका ने बताया कि उनका पुत्र बरमान घाट पर नहाने गया था, जहां पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई थी, जिसकी मर्ग सूचना करेली थाने में दर्ज है। मजदूरी कर परिवार चलाने वाली आवेदिका ने आर्थिक संकट का हवाला देते हुए उचित मुआवजे की मांग की है।शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर दिया आवेदन हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ग्राम सिवनी बंधा निवासी राजेंद्र पाठक ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर संबंधित अधिकारी को आवेदन देकर शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने की मांग की है। आवेदक के मुताबिक, अनावेदक मुन्नीबाई, सीताराम और संतराम ठाकुर द्वारा उनकी निजी भूमि के समीप स्थित करीब 2.000 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। आवेदक ने कहा कि यदि प्रशासन शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाता है, तो वे भी नियमानुसार सहयोग के लिए तैयार हैं। उन्होंने पुलिस बल के माध्यम से कार्रवाई की मांग की है ताकि कृषि कार्य के समय कोई विवाद न हो।

योग केवल एक व्यायाम पद्धति नहीं है, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का प्राचीन भारतीय विज्ञान है

मंत्री उदय प्रताप सिंह के साथ जनप्रतिनिधि, शासकीय सेवक और नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास किया

12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम नरसिंह मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुआ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विभिन्न संस्थाओं, न्यायालयों, केंद्रीय जेल और सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिलेभर में आमजन ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का संदेश दिया। जिला न्यायालय नरसिंहपुर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अखिलेश शुक्ला के मार्गदर्शन में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समस्त न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और न्यायालयीन कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इस दौरान सभी को नियमित अभ्यास के लिए प्रेरित किया गया। इसी तरह केंद्रीय जेल में 15 जून से संचालित साप्ताहिक योग अभियान का समापन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ। नरसिंह मंदिर परिसर में आयोजित मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित जनसमूह के साथ योगाभ्यास किया और योग के महत्व पर अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। आज दुनिया के कई देशों में लोग भारतीय योग परंपरा को अपनाकर इसके लाभ प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए हमें इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।सामूहिक योग कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना से हुई। इसके बाद नागरिकों ने योग की चालन क्रियायें, योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, विद्यार्थी व संगठनों के पदाधिकारियों सहित अधिकारी- कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल एक व्यायाम पद्धति नहीं है, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का प्राचीन भारतीय विज्ञान है। जिसने सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन जीने की दिशा प्रदान की है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने भी जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित किया।

काया इंटरनेशनल ने मंडाला योग के साथ मनाया योग दिवस

काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो द्वारा 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बेहद अनूठे और भव्य अंदाज में मनाया गया। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित इस वर्ष की विशेष थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग(स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) को समर्पित इस सत्र में स्टूडियो की महिला साधिकाओं ने मानसिक एकाग्रता और शारीरिक स्वास्थ्य के संगम मंडाला योग का विशेष अभ्यास किया। नारी शक्ति और भारतीय संस्कृति के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी साधिकाएं पारंपरिक गुलाबी रंग की साड़ियों में शामिल हुईं, जिससे पूरा परिसर दिव्य और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। अंतरराष्ट्रीय योग मास्टर सुश्री इंदु सिंह (इंदुश्री) के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सत्र की शुरुआत हुई। सुश्री इंदु सिंह ने मंडाला योग को एक गतिशील ध्यान बताते हुए कहा कि यह मस्तिष्क को संतुलित करता है और बढ़ती उम्र में होने वाली भूलने की बीमारी (अल्जाइमर) से रक्षा कर शरीर को लचीला व सक्रिय रखता है।

उत्कृष्ट विद्यालय में मनाया गया योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के छात्र छात्रों ने दो अलग अलग स्थानों योगाभ्यास में अपनी सहभागिता प्रदान की । जहां एक ओर छात्रावास के छात्रों ने नरसिंह मंदिर के प्रांगण में योग अभ्यास किया वही दूसरी और विद्यालय प्रांगण में एनसीसी कैडेट्स और स्थानीय छात्रों ने उक्त अभ्यास किया।उक्त कार्यक्रम का विद्यालय में स्मार्ट टीवी के माध्यम से सीधा प्रसारण दिखाया गया। योगाभ्यास तीन सत्रों चलाया गया। प्रथम सत्र में शरीर के विभिन्न अंगों की चालन क्रियाएं दृ ग्रीवा चालन, स्कंध चालन और कटि चालन आदि करायी गयी । द्वितीय सत्र में विभिन्न आसनों दृ ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन सेतुबंधासन, हलासन, भद्रासन, वज्रासन, वक्रासन, मकरासन, शवासन आदि कराया गया। अंतिम सत्र में प्राणायाम क्रिया अंतर्गत भत्सीरिका अनुलोम विलोम कपालभारति और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया।

साधकों ने आध्यात्मिक उल्लास से राजयोग किया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के दिव्य संस्कार भवनश में योग साधना का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शारीरिक स्वास्थ्य और आत्मिक शांति का अनूठा संगम रहा, जिसमें ब्रह्माकुमारी संस्थान के सदस्यों के साथ-साथ नगर के प्रबुद्ध नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

वारंटी और बदमाशों पर पुलिस का प्रहार, मेगा कॉम्बिंग ऑपरेशन में मात्र 6 घंटे में 31 स्थायी वारंटी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में जिले में सक्रिय अपराधियों, वारंटियों, हिस्ट्रीशीटरों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिलेभर में रात्रिकालीन कॉम्बिंग गश्त, नाकाबंदी, वारंट तामीली एवं सघन चेकिंग की कार्यवाही करते हुए अपराधियों पर प्रभावी शिकंजा कसा गया। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना, अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना रहा। विशेष कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीमों ने मात्र 6 घंटे के भीतर बड़ी सफलता हासिल करते हुए 31 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया तथा 80 गिरफ्तारी वारंट तामील किए। इसके अतिरिक्त 86 व्यक्तियों को न्यायालयीन नोटिस तामील कराए गए। अभियान के दौरान जिले के चिन्हित गुंडा व निगरानी बदमाशों की सघन जांच की गई, वहीं शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 68 संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। पुलिस टीमों द्वारा होटल, ढाबा, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों की भी सघन चेकिंग की गई।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर कसा शिकंजा

अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों, होटल एवं ढाबों पर नशा करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। इसके तहत पुलिस ने विभिन्न थानों में कुल 26 प्रकरण पंजीबद्ध कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने रातभर संभाली कमान

इस बड़े अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिले के समस्त एसडीओपी (अनुविभागीय अधिकारी पुलिस) द्वारा पूरी रात्रि मैदानी स्तर पर मॉनिटरिंग की गई तथा पुलिस टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। पुलिस विभाग के अनुसार अपराधियों, वारंटियों एवं कानून व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

जमानत पर रिहा होते ही पुलिस ने दबोचा, चेक बाउंस प्रकरण में आरोपी सूरज पटेल गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले में अपराधियों एवं न्यायालयीन वारंटियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में नरसिंहपुर पुलिस ने तत्परता एवं सक्रियता का परिचय देते हुए जमानत पर रिहा हुए आरोपी सूरज पटेल को स्थायी वारंट के आधार पर गिरफ्तार कर न्यायालय पेश करने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस कार्यवाही में बाधा डालने एवं अभद्रता करने पर सूरज पटेल को भेजा गया था जेल ज्ञात हो कि दिनांक 14.06.2026 को वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस द्वारा सूरज पटेल की कार में नियम विरुद्ध काली फिल्म पाए जाने पर वैधानिक चालानी कार्यवाही की जा रही थी। इस दौरान आरोपी ने शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए पुलिस कर्मचारियों से अभद्रता की। 3 लाख रुपये की उधारी एवं चेक बाउंस प्रकरण में वारंटी था आरोपी सूरज पटेल के विरुद्ध जे.एम.एफ.सी. न्यायालय, जबलपुर द्वारा धारा 138 एन.आई. एक्ट के अंतर्गत स्थायी वारंट जारी किया गया है। जांच में ज्ञात हुआ कि आरोपी ने जबलपुर निवासी एक व्यापारी से 3 लाख रुपये उधार लिए थे तथा राशि के बदले एक चेक दिया था। निर्धारित अवधि बीत जाने के बाद भी आरोपी द्वारा राशि वापस नहीं की गई। व्यापारी द्वारा चेक बैंक में प्रस्तुत करने पर वह बाउंस हो गया, जिसके बाद परिवाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण की सुनवाई उपरांत न्यायालय द्वारा आरोपी के विरुद्ध स्थायी वारंट जारी किया गया था।

स्वस्थ रहने के लिए योग जरुरी, योग दिवस पर जगह जगह हुआ योगाभ्यास

तेंदूखेड़ा

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर तेंदूखेड़ा सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में योगाभ्यास करते हुए नियमित योग से होने वाले लाभों के बारे में बताया गया। जिला प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में तेंदूखेड़ा के नवनिर्मित सिविल न्यायालय परिसर में न्यायायिक मजिस्ट्रेट शिवकांत कुशवाहा ने अपने न्यायालयीन स्टाफ एडवोकेट ब्रह्म कुमारी बहनों की उपस्थिति में योगा करते हुए स्पष्ट किया कि नियमित योग से शरीर स्वस्थ रहता है। तथा शरीर भी हष्ट-पुष्ट संतुलित रहता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने अपने घरों में ही परिवार के साथ नियमित सामूहिक योगाभ्यास करना चाहिए। इस मौके पर न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

काशीखेरी में हुआ आयोजन

योग दिवस के अवसर पर शासकीय हाईस्कूल परिसर में में क्षेत्र के पूर्व विधायक भैयाराम पटैल ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ मन शांत एवं जीवन अनुशासित बनता है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय छत्तरपुर में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों ने योग के महत्व तथा इसके लाभों को बताया।

जैन मिलन संस्था ने मनाया योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्री पारसनाथ जैन मिलन शाखा के द्वारा योगाभ्यास किया गया।सर्वोदय स्कूल परिसर में लोगों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग शरीर को निरोग रखता है एवं स्वस्थ बनाने के लिए आवश्यक होता है।इस मौके पर जैन मिलन शाखा की अध्यक्ष अरुणा जैन कोषाध्यक्ष प्रीति मोदी मंत्री रानू स्वदेशी श्रद्धा मनीषा अल्पना राजश्री अंजना अहिंसा एनसीसी अधिकारी रोमी मालवीय संतोष पटेल देव आनंद धानक संतोष लोधी सुनीता बजाज मीना रुसिया एनसीसी एनएसएस के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

विदाई समारोह के साथ पदाधिकारी की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ की शाखा नरसिंहपुर द्वारा रेलवे स्वास्थ्य केंद्र के सभागार मैं मंडल सचिव डी. पी. अग्रवाल की मुख्य अतिथि सहायक मंडल अभियंता, नरसिंगपुर मनोज कुमार कुशवाहा, डाक्टर आर. आर. कुर्रे की उपस्तिथि मैं मंडल सचिव डी. पी. अग्रवाल जिन्होंने मई 1986 से रेल सेवा आरम्भ कर 30 जून 2026 को सेवनिवृत्त होने वाले हैं, विदाई समारोह मनाया गया। इस अवसर पर यूथ विंग द्वारा श्री अग्रवाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य मैं 5 केक काटे गए। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने धन्यवाद देते हुए आगे भी रेल कर्मचारियों हित में सदैव संघर्षरत रहने का आश्वासन भी दिया। सचिव सुनील जाट शाखा के अध्यक्ष मनोज जवार एवं कोषाध्यक्ष नम्रता सोलंकी ने प्रस्तुत किया, आभार प्रदर्शन आरिश खान ने किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज जवार ने किया और रेल कर्मचारियों से संघ के ध्वज तले एकजुट रहने और सहयोग करने का आवाहन भी किया।कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि मंडल सचिव श्री अग्रवाल ने वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की नरसिंहपुर शाखा के द्वि वार्षिक चुनाव भी संपन्न कराये। इस अवसर पर यूथ बैंक एवं महिला शाखा के अध्यक्ष एवं सचिव भी नियुक्त किए गए।

हाथिया घाट पर डूबे युवक का शव नर्मदा नदी से बरामद

नरसिंहपुर। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम चिनकी के पास नर्मदा नदी के हाथिया घाट में शनिवार सुबह डूबे 21 वर्षीय युवक अमन ठाकुर का शव रविवार को बरामद कर लिया गया है। मृतक की पहचान नगर के इतवारा बाजार निवासी अमन ठाकुर पिता ओम ठाकुर के रूप में हुई है। रविवार सुबह घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। उल्लेखनीय है कि शनिवार को हादसे की सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाना प्रभारी गौरव चाटे पुलिस स्टाफ, स्थानीय गोताखोरों और होमगार्ड की आपदा प्रबंधन टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। शनिवार देर शाम तक नदी के तेज बहाव में कड़ी मशक्कत के बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका था, जिसके कारण अंधेरा होने पर रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा था। रविवार की सुबह एक बार फिर रेस्क्यू टीमों ने नदी में सघन सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया, जिसके बाद अमन का शव बरामद हो गया। कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां पीएम की वैधानिक कार्यवाही पूरी होने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है।

वन विभाग के दायरे में आई भूमि का मुआवजा दिलाने के लिए ग्रामीणों ने लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। तहसील के ग्राम मलकुही निवासी खुमान सिंह, धन्नू, द्वारका और मुकेश सहित समस्त ग्रामवासियों ने कलेक्टर को संयुक्त आवेदन देकर वन विभाग के अंतर्गत आई अपनी जमीनों का मुआवजा शीघ्र दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, मौजा मलकुही के खसरा नंबर 186ध्2 और 220ध्3 की भूमि वन विभाग के क्षेत्र में आ रही है, जिससे संपूर्ण गांव प्रभावित है। पीड़तों ने कहा कि उन्हें अब तक कोई मुआवजा नहीं मिला है, जिससे वे दूसरी जगह मकान नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने खसरे की छायाप्रति संलग्न कर शीघ्र भुगतान की अपील की है।